R.N.I. No. UPHIN/2023/86842 वर्ष : 02 अंक : 115 | लखीमपुर–खीरी, शुक्रवार 13 सितम्बर 2024 | पृष्ठ – 04 मूल्य – 01

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संज्ञान दृष्टि

एक सम्पूर्ण अखबार

मोबाइल नं0–7080049049 | sangyandristinewspaper@gmail.com | website-Sangyannews.com | twitter-Sangyannews

लखीमपुर–खीरी, दिल्ली एनसीआर के साथ–साथ इंदौर, गौरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बहराइच, लखनऊ, अयोध्या, गया (बिहार)

एक नज़र

लखनऊ– सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का बयान, बीएसपी अध्यक्ष मायावती का फोन नहीं उठाने पर बोले, जब गठबंधन टूटा,दोनों दलों के नेता मंच पर थे–अखिलेश, आजमगढ़ में सार्वजनिक मंच पर थे और मैं भी था–अखिलेश, किसी को नहीं पता था कि गठबंधन टूट गया–अखिलेश, 'मैं खुद फोन कर पूछना चाहा था कि ऐसा क्यों किया', 'कभी अपनी बात छुपाने के लिए कुछ बातें की जाती हैं'।

लखनऊ– लघु उद्योग निगम में अध्यक्ष,उपाध्यक्ष नामित किए गए, आगरा के राकेश गर्ग को अध्यक्ष बनाया गया, उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष बने राकेश गर्ग, नटवर गोयल को लघु उद्योग निगम का उपाध्यक्ष बनाया गया।

शाहजहांपुर– साध्वी प्राची ने राहुल गांधी को लेकर दिया विवादित बयान, राहुल गांधी का डीएनए खराब है–साध्वी प्राची, नेहरू खानदान के डीएनए की जांच होनी चाहिए–साध्वी, यह लोग टुकड़े–टुकड़े गैंग के लोग हैं साध्वी प्राची, तौकीर रजा की भाषा हिंदुस्तानी नहीं–साध्वी प्राची, 'तौकीर रजा जैसे लोग हिंदुस्तान में गृह युद्ध कराना चाहते'।

नोएडा– मॉर्डन पब्लिक स्कूल में अभिभावकों का हंगामा, स्कूल में मासूम बच्ची के साथ हुई थी छेड़छाड़ , प्रिंसिपल को हटाने की मांग कर रहे बच्चों के पेरेंट्स, पुलिस टीम मौके पर मौजूद, लोगों को समझाने में जुटी, बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में नाराजगी, नोएडा के सेक्टर 12 स्थित मॉर्डन पब्लिक स्कूल का मामला।

राहुल गाँधी की सदस्यता खत्म करने की मांग, जानें क्या है ये नया मामला

नई दिल्ली। राहुल गांधी के अमेरिका में दिए बयान को लेकर चौतरफा हमला शुरू हो गया है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने राहुल गांधी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल विदेश जाकर देश को बदनाम करते हैं। ऐसे लोग देश विरोध का काम कर रहे हैं। इनकी संसद की सदस्यता रद्द की जाए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल की संसद सदस्यता इस तरह के बयान देने पर रद्द कर दिया जाना चाहिए। जीतन राम मांझी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि कोई भी देशभक्त विदेशी धरती पर जाकर जनता की चुनी गई सरकार पर अभद्र टिप्पणी नहीं कर सकता। राहुल गांधी का बयान एक देशद्रोही का बयान है उनके उपर मुकदमा दर्ज होना चाहिए। रही बात आरक्षण की तो नरेंद्र मोदी जी के रहते किसी राहुल गांधी की हैसियत नहीं कि देश से आरक्षण खत्म कर दे। लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी का ये पहला अमेरिकी दौरा है। राहुल जब भी विदेश जाते हैं तो देश में विवादों की आंधी आ जाती है। इस बार भी यही हो रहा है। राहुल गांधी के जिन बयानों को लेकर देश में हंगामा हो रहा है उसके केंद्र में धर्म, चुनावी प्रक्रिया और आरक्षण है। वही आरक्षण कार्ड जिसको लेकर दावा है कि 2024 के चुनाव में उसने प्रधानमंत्री मोदी को लगातार तीसरी बार बहुमत पाने से रोक दिया।

वॉशिंगटन डीसी के जार्ज टाउन यूनिवर्सिटी में जब राहुल से पूछा गया कि भारत में आरक्षण कब तक चलेगा। उसके जवाब में राहुल ने जो बातें कही उसने हिंदुस्तान में बड़ा बखेरा खड़ा कर दिया। राहुल ने कहा कि हम आरक्षण समाप्त करने के बारे में तब सोचेंगे जब भारत में सब एक समान होंगे। भारत में अभी सब समान नहीं हैं। आरक्षण ही वो मुद्दा है जिसे कांग्रेस को 99 तक पहुंचाने का श्रेय दिया जाता है।

'बाढ़ पीड़ितों को 17 सितंबर से पहले मुआवजा दिया जाएगा', चंद्रबाबू नायडू ने किया वादा

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को एलुरु जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान हर बाढ़ पीड़ित को न्याय और मुआवजा देने का वादा किया। उन्होंने पीड़ितों को आश्वासन दिया कि ''मैंने व्यक्तिगत रूप से उन सभी समस्याओं का अनुभव किया है जिनका आप सामना कर रहे हैं, और मैं हर एक के लिए न्याय करूंगा।''

नुकसान को कम करने के लिए, मुख्यमंत्री ने फसल के नुकसान के लिए अनुग्रह राशि में वृद्धि की घोषणा की, जो पिछली सरकार के तहत 17,000 रुपये प्रति हेक्टेयर से बढ़कर 25,000 रुपये प्रति हेक्टेयर हो गई। इसके अतिरिक्त, धान की फसल के नुकसान के लिए 10,000 रुपये प्रति एकड़ का भुगतान किया जाएगा। चूंकि इस क्षेत्र में 70 प्रतिशत किसान काश्तकार हैं, इसलिए नायडू ने आश्वासन दिया कि इनपुट सब्सिडी सीधे उनके खातों में जमा की जाएगी और सभी अनुग्रह भुगतान 17 सितंबर तक किए जाएंगे। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री नायडू ने कोलेरू झील, उप्पुटेरू और तमिलेरू सहित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और बाद में सर सीआर रेड्डी डिग्री कॉलेज के सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मौजूदा स्थिति को संबोधित करते हुए, उन्होंने पारदर्शिता और जवाबदेही पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्य भर में बाढ़ से हुए नुकसान का निष्पक्ष आकलन करने का वादा किया। उन्होंने प्रभावित किसानों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा, ''किसान का दर्द तब समझ से परे होता है जब वह 70 दिनों के बाद धान की फसल खो देता है, जब वह कटाई के लिए लगभग तैयार हो जाती है।'' मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार की आलोचना की और बाढ़ से हुए नुकसान की गंभीरता को उनकी ''गलतियों'' के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भविष्य में ऐसी आपदाओं को रोकने के लिए योजनाएँ बनाई जा रही हैं। नायडू ने कहा, ''पिछली सरकार द्वारा किए गए पाप राज्य के लिए अभिशाप बन गए हैं।'' उन्होंने संकट के प्रबंधन में सिंचाई मंत्री निम्माला रामानायडू और आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री कोलुसु पार्थसारथी के प्रयासों की भी सराहना की और दरारों की मरम्मत करने और आगे होने वाले नुकसान को कम करने में उनके काम की प्रशंसा की। रायलसीमा में बेहतर शासन स्थापित करने के लिए ''उपद्रव'' और गुटबाजी को समाप्त करने के अपने प्रयासों को याद करते हुए, नायडू ने तिरुमाला में ब्रह्मोत्सव के दौरान उन पर हुए बम हमले के बाद भी अपने लचीलेपन पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य की मौजूदा वित्तीय तंगी पर दुख जताते हुए कहा कि राजस्व पिछले प्रशासन द्वारा जमा किए गए ऋणों पर ब्याज का भुगतान करने के लिए भी अपर्याप्त है। नायडू ने पोलावरम परियोजना को ''राज्य के लिए वरदान'' बताया और खुलासा किया कि उन्होंने परियोजना का समर्थन करने के लिए केंद्र सरकार से 12,000 करोड़ रुपये प्राप्त किए हैं, जिसे उन्होंने जल्द ही फिर से शुरू करने का वादा किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने एलुरु के लिए कई लाभों की घोषणा की, जिसमें 15 करोड़ रुपये के बजट से सानिवरपुपेटा कॉजवे के पास एक पुल का निर्माण भी शामिल है।

जम्मू–कश्मीर में सरकार बना सकती है बीजेपी, उमर अब्दुल्ला का बड़ा दावा कार्यकर्ताओं को बांट रही बंदूक

जम्मू–कश्मीर। कुछ ही दिनों में जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। फिर सभी पार्टियां इस चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयारियों में जुट गई हैं। उमर अब्दुल्ला फिलहाल जम्मू–कश्मीर में होने वाले चुनाव को लेकर लगातार प्रचार–प्रसार करते नजर आ रहे हैं। चुनाव से पहले पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने एक ऐसा बयान दिया है, जिससे राज्य की राजनीति गरमा गई है। दरअसल, उमर अब्दुल्ला को डर है कि जम्मू–कश्मीर में बीजेपी सरकार बना सकती है। मीडिया से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें डर है कि अगर कश्मीर घाटी में वोट बंटे तो इसका सीधा फायदा बीजेपी को होगा। उस स्थिति में बीजेपी सत्ता में आ सकती है। उन्होंने कश्मीर के लोगों से अपनी मतदान शक्ति का विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की।

महबूबा मुफ्ती भी डरी हुई हैं–उमर अब्दुल्ला ने एक चुनावी जनसभा में दावा किया कि आज बीजेपी के वर्करों को बंदूकें बांटी जा रही है। बीजेपी की नाकामी और हुकूमत के विपल रहने का सबसे बड़ा सबूत ये बंदूक है। इन्होंने जम्मू में दोबारा हालात खराब किए हैं। अब्दुल्ला ने कहा कि 2014 तक हमारी हुकूमत थी। हमने इन इलाकों को मिलिटेंसी से आजाद कर दिया था। बीजेपी का नारा जम्मू को बचाना है एक बार बटन दबाना है झूठ है। इन्होंने जम्मू को तबाह किया है। उमर अब्दुल्ला के अलावा पीडीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती पर भी वोट शेयरिंग का खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इंजीनियर रशीद जैसे नेता कश्मीर घाटी में बीजेपी के पूरक के तौर पर काम कर रहे हैं और बीजेपी की बी टीम की भूमिका निभा रहे हैं।

क्या है बीजेपी की रणनीति?– कश्मीर में भी बीजेपी की रणनीति यही लग रही है. पार्टी ने जम्मू की हर सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

लेकिन कश्मीर घाटी में सिर्फ 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं. इस बारे में विशेषज्ञ तर्क दे रहे हैं कि पार्टी अपने दम पर कश्मीर में ज्यादा सीटें नहीं जीत सकती, ऐसे में प्रति ने स्वतंत्र उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है और चुनाव के बाद बीजेपी जीते हुए स्वतंत्र उम्मीदवारों को अपने में शामिल कर सकती है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान : डीएम ने ली जागरूकता व तैयारी बैठक, दिए निर्देश

डीएम बोली, स्वच्छता के प्रति बढ़ाया आपका एक कदम, जिले को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त बनाने में करेगा मदद स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता थीम पर 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलेगा अभियान डीएम की अपील, स्वच्छता का करें मिलकर सभी पालन, स्वच्छ हो हर घर आंगन

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी(संज्ञान दृष्टि)। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) द्वारा ''स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम'' के तहत आगामी 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर के मध्य निकायों में चलाये जाने वाले स्वच्छता कार्यों की तैयारियों और जागरूकता को लेकर गुरुवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एडीएम संजय कुमार सिंह की उपस्थित में कलेक्ट्रेट में बैठक की। बैठक का संचालन ईओ संजय कुमार ने की।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के स्वर्णिम 10 वर्ष पूर्ण होने पर इस वर्ष में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम को वृहद जन सहभागिता के साथ मनाए जाने के लिए ''स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'' थीम पर एक 15 दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम की रचना की गयी है। इसमें स्वच्छता की भागीदारी, संपूर्ण स्वच्छता और सफाईमित्र सुरक्षा तीन प्रमुख घटक हैं।

सड़कों पर खुली गाय छोड़ने पर मालिक को देना होगा दो हजार का जुर्माना : डीएम–डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि स्वच्छता के प्रति बढ़ाया आपका एक कदम, जिले को स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त बनाने में मदद करेगा। आग्रह किया कि गोवंश को खुले में कतई ना छोड़ें। पकड़े गए गोवंश छुड़वाने के लिए दो हजार का जुर्माना अदा करना होगा। आमजन से नालियों पर जाली लगवाने का आग्रह करते हुए बताया कि इससे कूड़ा नालियों में नही जायेगा। पानी का प्रवाह भी नहीं रुकेगा। नालियों की सफाई में सुलभता होने के साथ–साथ वेक्टर जनित रोगों में गिरावट भी आएगी।

चुने जिंदगी, तंबाकू नहीं : डीएम–डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने तंबाकू सेवन से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव बताकर इसका प्रयोग न करने का आग्रह किया। कहा कि तंबाकू खाकर अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कदापि ना करें। बैठक में आमसहमति से निर्णय लिया कि सार्वजनिक स्थलों पर इसके प्रयोग कर गंदगी फैलाने पर ध्2000 का जुर्माना वसूला जाए।

स्वच्छता की भागीदारी में सभी का सहयोग जरूरी : एडीएम–एडीएम संजय कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छता की भागीदारी के अन्तर्गत सार्वजनिक भागीदारी व स्वच्छता के जन–आंदोलन में सभी नागरिकों के जुड़ाव हेतु विभिन्न आई.ई.सी. गतिविधियां करायी जानी है।

इसमें सभी स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वच्छ सारथी क्लब व अन्य द्वारा भी स्वच्छता की भागीदारी में सहयोग भी अपेक्षित है। ''स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम'' में समस्त नागरिकों की स्वच्छता में भागीदारी हेतु श्रमदान का आह्वान किया, जिससे कि जिले में पूर्ण स्वच्छता एवं व्यवहार परिवर्तन प्राप्त किया जा सके।

ईओ ने अभियान की बताई तैयारिया–ईओ संजय कुमार ने गत वर्षो की स्वच्छता की सेवा की तुलनात्मक उपलब्धियां बताई। उन्होंने स्वच्छता की भागीदारी के तहत श्रमदान और जन जागरूकता अभियान के तहत कराए जाने वाली गतिविधियों की तैयारिया को भी रेखांकित किया। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आप सभी के सहयोग से इसबार टॉप फाइव में आने का हर संभव प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में समाजसेवी, नपाप लखीमपुर की स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर मधुलिका त्रिपाठी, सभासद राकेश मिश्र ने भी अपनी सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

इनकी रही मौजूदगी–कार्यक्रम में नपाप लखीमपुर की स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर मधुलिका त्रिपाठी, सभासद राकेश मिश्र,शमसुल हसन, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मुरारी लाल विशाल शुक्ला, जेई अमरदीप, जितेंद्र वर्मा डीपीएम विक्रांत वर्मा सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि, संभ्रांत नागरिक गण मौजूद रहे।

क्रेजी फार डांस में अविका बाजपेई, अलंकृत, प्राची कश्यप और संगीता गौतम ने जीते शीर्ष स्थान

स्पर्श सिन्हा

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि)। जेसीआई द्वारा आयोजित जेसी जनसंपर्क सप्ताह के तीसरे दिन आयोजित क्रेजी फार डांस एकल नृत्य प्रतियोगिता में अविका बाजपेई, अलंकृत, प्राची कश्यप और संगीता गौतम ने विभिन्न वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बता दें, यह प्रतियोगिता में कुल चार वर्गों में स्पर्धा हुई। ऑडीशन राउंड में 33 प्रतिभागियों का चयन फाइनल राउंड के लिए किया गया, जिसमें निर्णायक की भूमिका श्वेता शुक्ला, आकांक्षा त्रिपाठी और दीपाली श्रीवास्तव ने निभाई। वहीं कार्यक्रम का आयोजन कुमार उत्कर्ष की अध्यक्षता में हुआ तथा संयोजन अमित अग्रवाल ने किया। अर्चित महेन्द्र, दिलीप बरनवाल और अमनदीप सिंह के निर्देशन व अतिन गर्ग, अंकुर डोगरा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम सफल रहा तथा पूर्वाध्यक्ष आर्येन्द्र पाल सिंह ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। इस क्रम में फाइनल राउंड में निर्णायकों की भूमिका में आरती श्रीवास्तव, अंशिका अवस्थी और शोभित ने प्रतिभागियों की कला का मूल्यांकन किया। जिसमें जूनियर वर्ग के विशेष वर्ग में अविका बाजपेई विजेता बनीं, वहीं तेजस्वी कश्यप और कृष्णा वर्मा द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे। इसी वर्ग में अलंकृत ने विजेता का खिताब जीता, आकांक्षा सिंह उपविजेता रहीं, और आयुषी वर्मा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसके बादसीनियर वर्ग में प्राची कश्यप ने विजेता की ट्रॉफी जीती, जबकि लविशा और काव्या राज क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। विशेष वर्ग में सात वर्षों के बाद संगीता गौतम ने एक बार फिर पहले स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं अवन्तिका कश्यप उपविजेता रहीं और कशिश पॉप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सभी चयनित प्रतिभागियों को शील्ड, मैडल और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। राना मोटर्स द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता कार्यक्रम में सौरभ वर्मा, कुलदीप गुप्ता, अमर सिंह, सौरभ वर्मा, कुलदीप गुप्ता, अमर सिंह, आर्येन्द्र पाल सिंह, अर्जित अग्रवाल, राजेश पटेल, राहुल माथुर, कनिष्क बरनवाल, विश्वास सेठ, अतिन गर्ग, दिलीप बरनवाल, अर्चित महेन्द्र, अंकुर डोगरा, सचिन अग्रवाल, ऋतिक साहू, अंकित मित्तल, आलोक शुक्ला, सोनी गुप्ता, पारुल पटेल, पारुल गर्ग, मुक्ति अग्रवाल, मंजू बरनवाल के साथ अनेक संस्था सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही।

विशेष वर्ग में संगीता गौतम को सम्मानित करता निर्णायक मंडल

शिव तांडव स्त्रोतम पर भगवान शिव की आराधना रूपी नृत्य करती प्रतिभागी

सम्पादकीय

राहुल ने बताई वस्तुस्थिति

अमेरिका में राहुल गांधी द्वारा प्रेस कांफ्रेंस में जो कुछ कहा गया उसे लेकर कई मुद्दों पर फिर से बवाल हुआ है। टेक्सास के डलास में भारतीयों के बीच उन्होंने जो कहा था, उसे लेकर गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत तकरीबन दो दर्जन भाजपाइयों ने अपनी समझ और पार्टी लाइन के अनुसार राहुल की आलोचना कर दी है। अब वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब के सामने राहुल गांधी ने जो कुछ कहा है, उसकी आलोचना एवं तोड़–मरोड़ करने योग्य अंश निकालकर भाजपा हमलावर तो है पर राहुल द्वारा व्यक्त विचारों को सही परिप्रेक्ष्य में देखे जाने की जरूरत सभी को है। अमेरिका किसी भी देश में लोकतंत्र के बनने–बिगड़ने को वैश्विक दृष्टिकोण से देखने का आदी है। राहुल ने इसी देश की अपनी पिछली यात्रा एक सांसद के रूप में की थी, तो इस बार वे वहां पर विपक्ष के नेता के तौर पर हैं। इस पद की अहमियत को भी लोकतांत्रिक रूप से सजग और परिपक्ववह देश जानता है। पहले के मुकाबले भाजपा का अधिक तिलमिलाना स्वाभाविक तो है लेकिन राहुल देश की वास्तविकताओं से वहां की प्रेस को अवगत करा चुके हैं। हालांकि जिस मंच को उन्होंने सम्बोधित किया वह कोई स्थानीय प्रेस नहीं बल्कि जैसा कि नाम से ही स्पष्ट होता है, वह अंतरराष्ट्रीय प्रेस बिरादरी है। जून, 2023 में भी वे इस मंच को सम्बोधित कर चुके थे।

पहले तो यह बात कर ली जाये कि उनके किन बयानों को भाजपा अपने पक्ष में मोड़ रही है। आरक्षण को लेकर उन्होंने जो कहा है, उसका आशय यह था कि जब आरक्षण खतम करने की स्थिति आयेगी, तब उस पर सोचा जायेगा। इसे ऐसे पेश किया जा रहा है कि कांग्रेस आरक्षण खत्म करने के पक्ष में है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस आरक्षण को 50 प्रतिशत तक करना चाहती है। पाकिस्तान को लेकर पूछे गये सवाल पर उनकी लाइन वही थी जो कांग्रेस की सरकार के रहते थी। उन्होंने कहा कि उस देश से आतंकवादी गति विधियां संचालित होती हैं। यह सर्वविदित है और पहले से अमेरिका तक इसे कहता आया है। सरकार समर्थक मीडिया इसे मोदी के साथ राहुल का होना बतला रहा है। ऐसे ही, बांग्लादेश में हो रही हिंसा को भी उन्होंने गलत बताया है। बहुत सम्भव है कि भाजपा का आईटी सेल इसे ऐसा प्रस्तुत करे कि श्वहां के अल्पसंख्यकों (हिन्दू) के साथ हो रही हिंसा को लेकर राहुल को भी बयान देना पड़ा। इन दोनों–तीनों बातों में दम नहीं है और बहुत भरोसे के साथ कहा जा सकता है कि राहुल के कई बयानों को जिस प्रकार से पहले तोड़ा–मरोड़ा गया था लेकिन वे प्रयास कोई कारगर नहीं हो पाये थे, उसी प्रकार यह दुष्प्रचार भी बहुत लम्बा टिकने वाला नहीं है। ऐसे एक–दो मुद्दों को छोड़ दिया जाये तो भाजपा के पास राहुल की आलोचना हेतु गिने–चुने हथियार ही रह जाते हैं। जैसे, उन्हें इस बात के लिये कोसा जाये कि उन्होंने भारत की बदनामी विदेशी धरती पर की है, आदि। राहुल के भाषण के कंटेंट पर आयें तो कहा जा सकता है कि उन्होंने भारत में लोकतंत्र की वर्तमान हालत, उसके इस स्थिति तक पहुंचने और भविष्य की तस्वीर का खाका खींचा है। विपक्ष के नेता के तौर पर जो उनका दायित्व है, उन्होंने वह पूरा किया है। उन्होंने बतलाया कि 2014 में, यानी जब भाजपा ने केन्द्र की सरकार बनाई थी, तभी से सत्ता ने देश के लोकतांत्रिक ढांचे की नींव पर ऐसा हमला करना शुरू किया जो पहले कभी नहीं देखा गया था। उन्होंने इस बात की जानकारी दी कि किस कठिनाई से कांग्रेस ने चुनाव लड़ा था।

इसके साथ ही, नरेन्द्र मोदी ने संवाद के सारे रास्ते बन्द कर दिये हैं। आम तौर पर लोकतंत्र के लिये काम करने वाले सारे संस्थान बन्द कर दिये हैं। इतना ही नहीं, विपक्ष पर हमले किये गये तथा विरोधी दलों की निर्वाचित राज्य सरकारों को मोदी ने उखाड़ फेंका है। इसलिये उन्हें श्भारत जोड़ो यात्राश तथा न्याय यात्रा निकालनी पड़ी थी। उनके पास देशवासियों से जुड़ने का एकमात्र यही रास्ता बचा रह गया था। उन्होंने माना कि यह एक कठिन लड़ाई थी जिसने उन्हें भी व्यक्तिगत रूप से बदला है।राहुल ने ऐसी कोई नयी बात नहीं कही है। इनमें से अधिकतर बातें वे सभी जगहों पर कहते आये हैं। यह तो मोदी सरकार एवं भाजपा को सोचना होगा कि जो मुद्दे राहुल ने उठाये हैं, उन्हें तोड़–मरोड़कर जनता के सामने पेश किया जाये या देश में लोकतंत्र की स्थिति को सुधारने के लिये वह कुछ करे। हालांकि दूसरी बात की सम्भावना काफी कम है क्योंकि मोदी में न तो वह साहस है और न ही ऐसा करना उन्हें मुफीद पड़ेगा। यह सवाल इसलिये उठता है क्योंकि 22 सितम्बर को मोदी खुद अमेरिका की यात्रा पर पहुंचेंगे। राहुल और मोदी दोनों की यात्राएं ऐसे वक्त पर हो रही हैं जब वहां राष्ट्रपति चुनाव काफी नजदीक है। जिन डोनाल्ड ट्रम्प (रिपब्लिकन पार्टी) के लिये 2020 में मोदी अबकी बार ट्रम्प सरकार का नारा देकर अपनी फजीहत करा चुके थे, वे फिर से प्रत्याशी तो हैं लेकिन उनकी विरोधी कमला हैरिस (डेमोक्रेट) लोकप्रियता व समर्थन के मामले में काफी आगे निकल चुकी हैं। उन्हें तो व्हाईट हाउस की दहलीज पर खड़ा बताया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की बैठक में भाग लेने जा रहे मोदी का वे सवाल पीछा करेंगे जो राहुल उनके लिये छोड़कर स्वदेश लौट रहे हैं। मोदी को राहुल के उठाये मुद्दों के जवाब देने होंगे।

भेड़िया आया, भेड़िया पकड़ाया

उत्तर प्रदेश के बहराइच में पिछले कई दिनों से भेड़ियों के आतंक की खबर आ रही थी। भेड़ियों के हमले से ग्रामीण बचाव की गुहार लगा रहे थे, जिसके बाद वन विभाग हरकत में आया। टीम बनाई गई, रणनीति बनाई गई, जाल बिछाया गया और अब तक पांच भेड़ियों को पिंजड़े में बंद करने में वन विभाग को सफलता मिल गई है। भेड़िए प्रकृति से हिंसक हैं, आदमखोर भी हो सकते हैं, लेकिन हैं तो आखिर में जानवर ही, जो प्रकृति के नियमों से बंधे होते हैं। उनमें छल कपट नहीं होता, चालाकी नहीं होती कि अपने दांत और नाखून छिपा कर घूमें ताकि जंगल के दूसरे जानवर उनकी असलियत पहचान न सकें। जानवर को अगर हमला करना होता है तो उसके लिए जो घात लगाई जाती है, उसकी इजाजत प्रकृति से मिली होती है।

बिना बात जानवर हमले नहीं करता, खुद की श्रेष्ठता दिखाने के लिए दूसरे जानवर को अपमानित नहीं करता, एक जानवर जंगल में पानी के स्रोत पर अपना कब्जा दिखाकर दूसरे जानवर को पानी पीने से वंचित नहीं करता। जानवर रंग या कद के हिसाब से भेदभाव नहीं करता। इसलिए जंगल शेर, लोमड़ी, हाथी, हिरण, बंदर, गिलहरी, चींटी, सांप, नेवला, सूअर और भेड़िए सभी के सहअस्तित्व से बना है। इंसान जिसे जंगलराज कहकर अपमानित करता है, असल में उस जंगलराज से बहुत कुछ सीखे जाने की गुंजाइश बाकी है। बहरहाल, भेड़िए वन विभाग के बिछाए जाल में फंस गए, क्योंकि उनमें धूर्तता नहीं थी। अब इन हिंसक कहे जाने वाले भेड़ियों के साथ क्या सलूक होता है। उन्हें जिंदा रखा जाता है, या मार दिया जाता है, या पिंजड़े में कैद करके मनुष्यों के मनोरंजन के लिए छोड़ दिया जाता है, ये पता नहीं। लेकिन भेड़ियों को पकड़ने की इस खबर से जिज्ञासा उपजी कि समाज में जो अलग–अलग तरीकों के इंसानियतखोर हैवान घूम रहे हैं, क्या उन्हें पकड़ने या काबू में करने के लिए कोई रणनीति कभी बनेगी या समाज हमेशा इस डर में ही कैद रहेगा कि न जाने किस रंग, रूप, शक्ल में उस पर हमला हो जाए। हाल की कुछ घटनाओं से इंसानियतखोरों के खतरे को कुछ और विस्तार से समझा जा सकता है। मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर से एक दिल दहलाने वाला वीडियो वायरल हुआ, जिसमें दिन दहाड़े, सरेआम, व्यस्त सड़क पर एक महिला के साथ बलात्कार होता रहा और इस अनाचार को रोकने की जगह उसका वीडियो बनाया गया।

इस घटना ने बता दिया कि साल में दो–दो बार शक्ति की पूजा मनाने वाले इस देश में महिला सुरक्षा और सम्मान की तमाम बातें ढोंग के अलावा कुछ नहीं है। इस मामले में आरोपी को पहचान कर अब गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन इस पर जिस तरह की राजनीति हुई और जनसामान्य में इस गंभीर मुद्दे पर जितनी चिंता दिखनी चाहिए थी, वह नहीं दिखी, यह सबसे अधिक परेशान करने वाला तथ्य है। मप्र में भाजपा की सरकार है और विपक्ष में बैठी कांग्रेस ने जब इस मुद्दे पर सवाल उठाए तो भाजपा की ओर से कहा गया कि आरोपी पकड़ा गया है। कांग्रेस प्रदेश को बदनाम करने के कुत्सित प्रयास कर रही है। आरोपी और पीड़िता दोनों एक–दूसरे से पहले से परिचित हैं, बाकी स्पष्टता से जांच के बाद सामने आ जाएगी। भाजपा की बचाव की इन दलीलों को सुनकर आश्चर्य होता है कि यह वही भाजपा है, जो प.बंगाल में बलात्कार की घटना पर कई दिनों तक हंगामे को जारी रख सकती है, लेकिन मध्यप्रदेश में बलात्कार की घटना पर आरोपी के पकड़े जाने को उपलब्धि की तरह पेश करती है। समाज को इस तरह के तर्कों के बाद सतर्क हो जाना चाहिए, लेकिन समाज में भी मंदिर–मस्जिद की खुमारी अब तक तारी है। इसलिए मणिपुर में महिलाओं की नग्न परेड से लेकर उज्जैन में सरेराह बलात्कार की घटना में उसे अहसास ही नहीं हो रहा कि हम सभ्यता के पैमाने पर कितना नीचे गिर चुके हैं।

एक अन्य उदाहरण हिमाचल प्रदेश से सामने आ रहा है। जहां इस समय कांग्रेस की सरकार है, लेकिन हिंदुत्व अपनी उग्रता दिखाने के लिए बेताब दिख रहा है। शिमला के संजौली में एक मस्जिद को अवैध बताते हुए उसे गिराने की मांग करने के लिए कानून–व्यवस्था सभी को चुनौती दी जा रही है। बुधवार को हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी संजौली में ढली सब्जी मंडी के पास पहुंच गए और चक्का जाम कर दिया गया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़ दिए और मस्जिद की तरफ बढ़ने लगे, लिहाजा पुलिस को पानी की बौछार और लाठी चार्ज का सहारा लेना पड़ा। दरअसल कुछ समय पहले यहां दो गुटों में मारपीट हुई थी, जिसमें आरोप है कि कुछ लोग मस्जिद में जाकर छिप गए। इसके बाद से ही हिंदू संगठन मस्जिद को गिराने की मांग कर रहे हैं। यहां भले ही मस्जिद के अवैध निर्माण का वास्ता दिया जा रहा है, लेकिन असल में यह सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने और हिंदुत्व का दबदबा कायम करने की कोशिश ही है। अगर मस्जिद अवैध तरीके से बनी है, तो उस पर नगरनिगम कार्रवाई करेगा, इसके लिए हिंदू संगठनों को शक्तिप्रदर्शन की जरूरत क्यों पड़ रही है। क्या मस्जिद गिराने की आड़ में सरकार गिराने का कोई खेल चल रहा है या फिर सांप्रदायिक तनाव बढ़ाकर एक बार फिर अल्प संख्यकों को दोयम स्थान पर दिखाने की कोई साजिश चल रही है। उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, हाल के बरसों में ये तमाम राज्य सांप्रदायिक तनाव के शिकार बन चुके हैं, क्या उस कड़ी में अब हिमाचल प्रदेश को जोड़ा जा रहा है।

असलियत जो भी हो, यहां भी सीधे–सीधे इंसानियत का ही शिकार हो रहा है। एक और प्रसंग आठ सितंबर का है, जिसमें न किसी का शोषण हुआ है, न कोई उग्र प्रदर्शन या कानून हाथ में लेने जैसी घटना हुई है, सब कुछ सभ्यता के आवरण में हुआ, लेकिन उसके निहितार्थ क्या हैं, ये समझने की जरूरत है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विधि प्रकोष्ठ ने राजधानी दिल्ली में आठ तारीख को एक बैठक आयोजित की, जिसमें वाराणसी और मथुरा के मंदिरों से जुड़े कानूनी विवाद, वक्फ (संशोधन) विधेयक के साथ–साथ धर्मांतरण के मुद्दों पर चर्चा हुई। विहिप हिंदुत्ववादी संगठन है, तो वह इसी तरह के एजेंडे पर बैठक करेगा, इसमें कोई आश्चर्य नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस बैठक में सुप्रीम कोर्ट और कई हाईकोर्ट के करीब 30 पूर्व जज शामिल हुए। विहिप के मुताबिक इस बैठक का उद्देश्य जजों और विहिप के बीच विचारों का स्वतंत्र विनिमय था, ताकि दोनों एक–दूसरे के प्रति समझ विकसित कर सकें। यह कितनी खतरनाक बात है कि जब वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में शाही ईदगाह पर हिंदुत्ववादी संगठन के दावों जैसे मुद्दे अदालतों में लंबित हैं, तब इन्हीं मुद्दों पर शामिल बैठक में पूर्व जज शामिल हो रहे हैं। भले कानूनी तौर पर इसमें कोई अड़चन न दिखे, लेकिन क्या इन फैसलों पर इस बैठक के प्रभाव से इंकार किया जा सकता है। पूर्व जजों के अलावा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी बैठक में उपस्थित हुए, यह और परेशान करने वाली बात है।

क्योंकि सरकार और परोक्ष तरीके से न्यायपालिका दोनों विहिप के साथ रहेंगे, तो फिर निष्पक्ष फैसले कैसे लिए जाएंगे। विहिप आगे भी इस तरह बैठकें आयोजित करने पर विचार कर रहा है। एक विहिप नेता के मुताबिक विचारों का यह आदान–प्रदान विधिक समुदाय को हमारे विचार समझने में मदद करेगा, और हम हमारा एजेंडा आगे बढ़ाने के लिए कुछ कानूनी समझ विकसित करेंगे। हम हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने के कानूनी तरीके तलाश रहे हैं। देश ने बाबरी मस्जिद को तोड़कर उसी जमीन पर राम मंदिर बनते हुए देख लिया है, जबकि मस्जिद तोड़ने वाले दोषी अब तक सजा से दूर हैं। अब विहिप अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के कानूनी तरीके तलाश रहा है। इसके बाद नरेन्द्र मोदी हिंदू–त्रमुस्लिम एकता का ज्ञान देते हैं और अमित शाह राहुल गांधी पर भाषा और धर्म के आधार पर देश को विभाजित करने के आरोप लगाते हैं। समाज भेड़िया आया, भेड़िया आया की कहानी बार–बार सुनकर भी सबक नहीं ले रहा है। फिलहाल हम पांच भेड़ियों के पिंजड़े में कैद होने पर खुश हो लें, लेकिन वन विभाग के मुताबिक ऐसे भेड़िए दर्जन भर थे, यानी अभी बहुतों को काबू में करना बाकी है।

मरीजों की फिक्र

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्य स्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है।

असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर–दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा। निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है।

निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन–प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वहीं दूसरी ओर हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने से भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि सरकार व हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों में टकराव की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। वैसे कोई भी सरकार दावा नहीं कर सकती कि उसके यहां अपराध नहीं होते और भविष्य में नहीं होंगे। लेकिन इसके बावजूद किसी भी वारदात के बाद शासन–प्रशासन से संवेदनशील व्यवहार की तो उम्मीद की ही जानी चाहिए। इस मामले में ममता सरकार से कई मामलों में चूक हुई है, जिसके चलते डॉक्टरों को सड़कों पर उतरना पड़ा है। उन्हें आशंका थी कि शायद पीड़िता को न्याय न मिल सके। बहरहाल, संकट का शीघ्र समाधान जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष वृषभ मिथुन कर्क सिंह कन्या तुला वृश्चिक धनु मकर कुंभ मीन

मेष :– भावुकता वश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। पूर्वाग्रह वश अपने निकटस्थ सम्बन्धों के बारे में गलत धारणा पालना ठीक नहीं। सम्बन्धों की मधुरता हेतु आपस में विास कायम करें।

वृषभ :– व्यावसायिक संबंध प्रगाड़ होंगे। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं। अत्यधिक भावुकता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। भौतिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होगा।

मिथुन :– किसी अचल सम्पत्ति क्रय हेतु प्रयत्न तीव्र। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें। मान–प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

कर्क :– समाजिक मान–सम्मान व वर्चस्व में बृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंह :– नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने की अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी।

कन्या :– रोजगार के क्षेत्र में किये गये कर्म का फल सफलता का आगाज कर रहा है। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा।

तुला :– प्रणय सम्बन्ध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ ब्याकुल होगा। किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनों के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक :– अच्छे अवसरों का लाभ उठानें में सक्षम बनें। जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा।

धनु :– भावुकतावश किसी सम्बन्धी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकती हैं। अपने अन्दर नए उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए सम्बन्धों को सुधारने की चेष्ठा करें। कार्य क्षेत्र में नये आसारों से उत्साहित होंगे।

मकर :– उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस–पास के वातावरण में महत्ता तो बढ़ाएगा। रोजगार में अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा। महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे।

कुंभ :– परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। परिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी। कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में प्रयत्न सार्थक होगा।

मीन :– सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख–साधनों की लालसा में व्यय के योग हैं। जीविका क्षेत्र में परिश्रम सार्थक होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है।

खाना खजाना / सेहत / ब्यूटी

घर में रखीं इन 3 चीजों से बनाएं टोफू, नोट करें आसान रेसिपी

काफी समय से भारतीय घरों में टोफू का चलन बढ़ गया है। टोफू को सोया पनीर भी कहा जाता है। टोफू एकदम शुद्ध शाकाहारी और वीगन फूड है। जिन लोगों को दूध, दही और पनीर जैसी चीजों से एलर्जी महसूस होती है वो लोग भी टोफू का सेवन कर सकते हैं। सोया मिल्क से बना होने का कारण टोफू में कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, जिंक और आयरन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। बाजार में मिलने वाले टोफू में मिलावट का डर रहता है। ऐसे में आप घर पर ही इन तीन चीजों से टोफू बना सकते हैं।

टोफू बनाने के लिए सामग्री–

–1 कप सोयाबीन
– पानी
– सिरका या नींबू का रस (दही बनाने के लिए)

टोफू बनाने का तरीका–

– सबसे पहले आप 1 कप सोयाबीन को धोकर रात भर भरपूर पानी में भिगोएं।
– फिर अगले दिन सोयाबीन को छानकर धो लें। इसे ताजे पानी के साथ ब्लेंडर में डालें और जब तक ब्लेंड करें यह स्मूथ पेस्ट में तैयार न हो जाए।
– इसके बाद मलमल के कपड़े का उपयोग करके, सोयाबीन के मिश्रण को छान लें ताकि सोया दूध गूदे से अलग हो जाए। फिर आप गूदे को एक तरफ रख दें। अगर आप चाहे तो ज्यादा मात्रा में सोया दूध निकालने के लिए प्रक्रिया को ताजे पानी के साथ दोहरा सकते हैं।
– इसके बाद आप सोया दूध को एक बर्तन में डालें और धीमी आंच पर 15 मिनट तक पकाएं, बीच–बीच में हिलाते रहें। कच्चे बीन की गंध को दूर करने के लिए यह कदम बहुत जरुरी है।
– जब 15 मिनट हो जाए, तो आप गर्म सोया दूध में धीरे–धीरे सिरका या नींबू का रस डालें। इस मिश्रण को लगातर चलाते रहें, जब तक दही जमना शुरु न हो जाए।
– दही जमने के बाद, मिश्रण को मलमल के कपड़े से छान लें ताकि टोफू इक्ट्ठा हो जाए। फिर आप इसे किसी भारी वस्तु से दबाएं या इसे आकार देने के लिए टोफू मोल्ड का उपयोग करें। टोफू तैयार है, इसे सेट होने में 1 से 2 घंटे का समय लग सकता है।

टोफू खाने के फायदे–दरअसल, टोफू में सबसे ज्यादा कैल्शियम पाया जाता है। इसके सेवन से हड्डियां और दांत मजबूत होते हैं। टोफू खाने से कैल्शियम की कमी दूर होगी। वहीं, 100 ग्राम टोफू में लगभग 8 से 10 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। प्रोटीन शारीरिक संरचना, स्किन को हेल्दी और बालों को घना बनाने में मदद करता है।

जानिए कैसे फ्लिपकार्ट के विशाल नेटवर्क के माध्यम से आपके घर तक पहुंचता है सामान

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में भारत में डिलीवरी के क्षेत्र में सबसे ज्यादा नौकरियां पैदा हुई हैं और इसमें ई–कॉमर्स कंपनियों का बड़ा योगदान रहा है। फ्लिपकार्ट ने भी डिलीवरी के क्षेत्र में लाखों नौकरियां प्रदान की है। फ्लिपकार्ट को कैश ऑन डिलीवरी, नो कॉस्ट ईएमआई और आसान रिटर्न जैसी अग्रणी सेवाओं के लिए जाना जाता है। ये वो सर्विसेज हैं जिसने ई–कॉमर्स साइट पर शॉपिंग को आसान और किफायती बना दिया है। फ्लिपकार्ट से जब आप कोई सामान खरीदते हैं तो आपको व्हाट्सएप पर रियल टाइम अपडेट मिलता है। इसके अलावा आप डिलीवरी डेट भी चेंज कर सकते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पूरा सिस्टम इतना सटीक और सुचारू रूप से कैसे काम करता है? आइए समझते हैं...

1. सेलर्स और ग्राहकों का बड़ा नेटवर्क–

फ्लिपकार्ट पर 14 लाख से अधिक सेलर्स हैं और पंजीकृत ग्राहकों की संख्या 500 मिलियन से भी अधिक है। ये सेलर्स देश के अलग–अलग शहरों के हैं और लगभग सभी शहरों में इनकी उपस्थिति हैं जिसका फायदा डिलीवरी में होता है। सभी शहरों में मौजूद सेलर्स के कारण ही ग्राहकों को जल्दी से उनका आर्डर किया हुआ सामान मिल जाता है।

2. सहूलियत–

फ्लिपकार्ट ग्राहकों को पेमेंट के लिए कोई सारे ऑप्शन देता है और ये सभी सिक्योर पेमेंट गेटवे हैं। फ्लिपकार्ट एन्क्रिप्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों का डाटा लीक ना हो और

ट्रांजेक्शन की पूरी जानकारी सुरक्षित रहे। फ्लिपकार्ट ने इसी साल अपने प्लेटफॉर्म पर डिजिटल पेमेंट को एक कदम आगे बढ़ाते हुए फ्लिपकार्ड यूपीआई हैंडल पेश किया है। सभी प्रोडक्ट के साथ ग्राहकों को कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा मिलती है। यदि आप ऑनलाइन पेमेंट करना पसंद नहीं करते हैं तो आप कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प चुन सकते हैं।

धोखाधड़ी की संभावना के मामले में फ्लिपकार्ट की टीम ग्राहकों से पहचान पत्र भी मांगती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ग्राहक असली व्यक्ति है। फ्लिपकार्ट ग्राहकों की सुविधा के लिए इंटरनेट बैंकिंग का भी ऑप्शन देता है। फ्लिपकार्ट के चौटजीपीटी संचालित शॉपिंग असिस्टेंट 'फ्लिपी' और एक वीडियो–आधारित ब्राउज मोड 'वाइब्स' ने भी जेनरेशन नेक्स्ट के साथ एक मजबूत जुड़ाव स्थापित किया है। यदि आपको समझ नहीं आ रहा है किसी खास मौके के लिए क्या खरीदें तो 'फ्लिपी' एआई टूल आपकी मदद कर सकता है। इससे आप सुझाव मांग सकते हैं।

3. ग्राहकों की संतुष्टि–

फ्लिपकार्ट एप में कई भाषाओं की सुविधा मिलती है जिससे ग्राहक अपनी पसंदीदा भाषा में शॉपिंग कर सकते हैं। एप वेब पर भी ग्राहक फ्लिपकार्ट से शॉपिंग कर सकते हैं। ग्राहकों के शॉपिंग एक्सपेरियंस को दोगुना करते हुए फ्लिपकार्ट ने व्हाट्सएप पर ऑर्डर की पूरी जानकारी रियल टाइम में देने की शुरुआत की है। इससे फ्लिपकार्ट ने अनगिनत ग्राहकों का विश्वास जीता है। ग्राहकों की संतुष्टि और उनकी मदद के लिए फ्लिपकार्ड पेज भी है जहां पहले से ही ग्राहकों के समक्ष आने वाली आम समस्याएं लिखी हुई हैं जिनमें से आप अपनी समस्या को चुन सकते हैं और तुरंत समाधान भी पा सकते हैं।

इस पेज पर कई सारे फिल्टर भी हैं जिनका इस्तेमाल करके आप अपना समय बचा सकते हैं। ग्राहक बिना किसी अतिरिक्त लागत या प्रयास के आसान रिफंड के साथ अपना सामान वापस कर सकते हैं। इस मॉडल ने ग्राहकों को जबरदस्त सहूलियत प्रदान की है और इससे नए ग्राहक भी जुड़े हैं।

4. शॉपिंग के बाद की सुविधा–

फ्लिपकार्ट पर शॉपिंग के साथ–साथ कैंसिलेशन भी बहुत ही आसान है। यदि सेलर द्वारा ऑर्डर को शिप नहीं किया गया है तो आप तुरंत ही अपना ऑर्डर कैंसिल कर सकते हैं। यदि आपका ऑर्डर शिप हो गया है तो जैसे ही कुरियर सर्विस ऑर्डर कंफर्म करेगा उसके बाद आप कैंसिल कर सकते हैं। कैंसिल होने के बाद आपका ऑर्डर सेलर्स को रिटर्न हो जाता है। कुछ कैटेगरी के प्रोडक्ट ऑर्डर करने के 24 घंटे बाद कैंसिल नहीं होते हैं। शॉपिंग के बाद ग्राहकों को प्रत्येक खरीदारी पर सुपर क्वाइन मिलते हैं।

जूनियर डॉक्टरों के साथ मीटिंग रद्द होने के बाद ममता बनर्जी का बड़ा बयान–'मुझे पद की लालसा नहीं, लोगों के लिए इस्तीफा देने को तैयार'

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उन्हें पद की कोई लालसा नहीं है। वह लोगों के लिए इस्तीफा देने को तैयार हैं। ममता बनर्जी गुरुवार शाम प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के साथ मुलाकात के लिए पहुंची थीं। इस दौरान डॉक्टर मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग की मांग पर अड़े रहे, लेकिन मामला सुप्रीम कोर्ट में होने के कारण यह संभव नहीं था। ऐसे में जूनियर डॉक्टर ममता से मिलने नहीं आए। यह मीटिंग फेल होने के बाद ममता बनर्जी ने अपने इस्तीफे की बात कही है। उन्होंने कहा कि वह आरजी कर मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर के हत्या का इंसाफ चाहती हैं।

''हमें उम्मीद थी कि बच्चे लोग आएंगे और अपना दर्द बताएंगे और काम में शामिल होंगे। बंगाल की जनता से माफी मांगते हुए हमें उम्मीद थी कि आज समस्या का समाधान हो जाएगा। मैंने जूनियर डॉक्टरों से बात करने की पूरी कोशिश की। मैंने अपने उच्च अधिकारियों के साथ 3 दिनों तक इंतजार किया। आरजी कर मामला न्यायालय में विचाराधीन है, इसलिए जूनियर डॉक्टरों की मांग के अनुसार उनके साथ बैठक का सीधा प्रसारण नहीं किया जा सकता। हमारे पास जूनियर डॉक्टरों के साथ बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था थी, हम सुप्रीम कोर्ट की अनुमति से इसे उनके साथ साझा कर सकते थे। हमने दो घंटे तक जूनियर डॉक्टरों का इंतजार किया, लेकिन वह नहीं आए।''

डॉक्टरों की हड़ताल से 27 लोगों की मौत–आज हमारा मुख्य विषय था विकास, सेफ्टी एवं सुरक्षा। आज हम खुले मन से चर्चा कर सकते थे। फिर प्रेस वार्ता बाद में दे सकते थे। हमने पत्र में कहा था कि 15 लोग आएंगे, लेकिन मैं 34 जूनियर डॉक्टरों के आगमन का भी स्वागत करती हूं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सिर्फ मैं और चंद्रिमा भट्टाचार्य थे। 27 लोगों की मौत हुई है! सात लाख लोगों का इलाज नहीं हो पाया। रेसिडेंट डॉक्टर और जूनियर डॉक्टर काम नहीं कर

रहे हैं।

क्या है मामला?–कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में रात की शिफ्ट में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद से डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टरों की कई मांगें हैं। इसे लेकर देशव्यापी प्रदर्शन भी हो चुके हैं और मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही हैं। हालांकि, पश्चिम बंगाल के डॉक्टर अभी भी प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टरों के प्रदर्शन के कारण लोगों को सही समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा है। इससे कई लोगों की मौत भी हुई है। इसी हड़ताल को खत्म कराने के उद्देश्य से ममता बनर्जी जूनियर डॉक्टरों से मिलने पहुंची थीं, लेकिन डॉक्टर बैठक में शामिल नहीं हुए।

भारत–चीन एलएसी विवाद पर जयशंकर ने दी ये बड़ी खबर, स्विट्जरलैंड में विदेश मंत्री ने किया ऐलान

नई दिल्ली। जिनेवाः विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में भारत–चीन

सीमा विवाद के मुद्दे को लेकर बड़ी खबर दी है। उन्होंने दावा करते कहा कि 'सैनिकों की वापसी से जुड़ी समस्याएं' लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गई हैं, लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। स्विट्जरलैंड के इस शहर में थिंकटैंक 'जिनेवा सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी' के साथ संवाद सत्र में जयशंकर ने कहा कि जून 2020 में गल्वान घाटी में हुए संघर्षों ने भारत–चीन संबंधों को समग्र तरीके से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी सीमा पर हिंसा के बाद यह नहीं कह सकता कि बाकी संबंध इससे अछूते हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि समस्या का समाधान ढूंढ़ने के लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा, ''अब वो बातचीत चल रही है। हमने कुछ प्रगति की है। आप मोटे तौर पर कह सकते हैं कि सैनिकों की वापसी संबंधी करीब 75 प्रतिशत समस्याओं का हल निकाल लिया गया है।'' जयशंकर ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हमें अब भी कुछ चीजें करनी हैं।'' उन्होंने कहा कि लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा का सैन्यीकरण हो रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, ''इससे कैसे निपटा जाए? मुझे लगता है कि हमें इससे निपटना होगा। इस बीच, झड़प के बाद, इसने पूरे रिश्ते को प्रभावित किया है क्योंकि आप सीमा पर हिंसा के बाद यह नहीं कह सकते हैं कि बाकी रिश्ते इससे अछूते हैं।''

विवाद का हल निकालने से ही होगा रिश्तों में सुधार–विदेश मंत्री ने कहा कि विवाद का हल निकाल लिया जाए तो रिश्ते में सुधार हो सकता है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि सैनिकों की वापसी के मुद्दे का कोई हल निकले और अमन चौन लौटे तो हम अन्य संभावनाओं पर विचार कर सकते हैं।'' भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक कूटनीतिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। भारत लगातार कहता रहा है कि जब तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते। भारत–चीन संबंधों को 'जटिल' करार देते हुए जयशंकर ने कहा कि 1980 के दशक के अंत में दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य तरह के थे और इसका आधार यह था कि सीमा पर शांति थी।

गलवान संघर्ष था खतरनाक–जयशंकर ने कहा, ''स्पष्ट रूप से अच्छे संबंधों, यहां तक घ्कि सामान्य संबंधों का आधार यह है कि सीमा पर शांति और सौहार्द बना रहे। 1988 में जब हालात बेहतर होने लगे, तो हमने कई समझौते किए, जिससे सीमा पर स्थिरता आई।'' विदेश मंत्री ने कहा, ''2020 में जो कुछ हुआ वह कुछ कारणों से कई समझौतों का उल्लंघन था जो अभी भी हमारे लिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैंय हम इस पर अटकलें लगा सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''चीन ने वास्तव में सीमा पर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और स्वाभाविक रूप से जवाबी तौर पर हमने भी अपने सैनिकों को भेजा। यह हमारे लिए बहुत मुश्किल था क्योंकि हम उस समय कोविड लॉकडाउन के दौर में थे।'' जयशंकर ने घटनाक्रम को बहुत खतरनाक बताया।

उन्होंने गल्वान घाटी के संघर्षों का जिक्र करते हुए कहा, '' हम सीधे तौर पर देख सकते थे कि यह एक बहुत ही खतरनाक घटनाक्रम था क्योंकि अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में और अत्यधिक ठंड में बड़ी संख्या में सैनिकों की मौजूदगी दुर्घटना का कारण बन सकती थी और जून 2022 में ठीक यही हुआ।'

चीन ने अमन को बिगाड़ा और सैनिक भेजे–विदेश मंत्री ने कहा कि भारत के लिए मुद्दा यह था कि चीन ने अमन चौन को बिगाड़ा क्यों और उन सैनिकों को क्यों भेजा और इस स्थिति से कैसे निपटा जाए। उन्होंने कहा, ''हम करीब चार साल से बातचीत कर रहे हैं और इसका पहला कदम वह है जिसे हमने सैनिकों की वापसी (डिसइंगेजमेंट) कहा, जिसके तहत उनके सैनिक अपने सामान्य परिचालन ठिकानों पर वापस चले जाएं और हमारे सैनिक अपने सामान्य परिचालन केंद्रों पर लौट जाएं और जहां आवश्यक हो, वहां हमारे पास गश्त को लेकर व्यवस्था हो क्योंकि हम दोनों उस सीमा पर नियमित रूप से गश्त करते हैं। जैसा कि मैंने कहा कि यह कानूनी रूप से चित्रित सीमा नहीं है।'' जयशंकर अपनी तीन दिन की यात्रा के अंतिम चरण में यहां आए। वह सऊदी अरब और जर्मनी भी गए थे।

बादशाह ने शेयर किया अपनी मां के साथ मजेदार वीडियो

मुंबई। रैपर और गीतकार बादशाह ने बुधवार को अपनी मां का एक दिल छू लेने वाला वीडियो शेयर किया जिसमें वह किचन में खाना बना रही हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां घुटने के दर्द से परेशान हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं करवा रही हैं। बुधवार को शेयर किए गए इस दिल को छू लेने वाले वीडियो में मां और बेटे का अटूट प्यार झलक रहा है। बादशाह ने बताया कि उनकी मां घुटनों के दर्द से पीड़ित हैं, लेकिन ऑपरेशन नहीं करा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफर्मि इंस्टाग्राम पर बादशाह के 14.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उन्होंने एक रील वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी मां अरबी की सब्जी पकाते हुए देखी जा रही हैं।

इस वीडियो में बादशाह और उनकी मां के बीच एक प्यारी और मजेदार नोकझोंक हो रही है। बादशाह वीडियो में कह रहे हैं, क्या बना रही हैं? और वह जवाब देती है, अरबी की सब्जी। सैटरडे सैटरडे फेम सिंगर बादशाह ने आगे कहा, आपको अपने घुटने कब ठीक कराने हैं? उनकी मां कहती हैं, श्जब चाहो करवा देना।

बादशाह ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, कल करवा दे फिर? उनकी मां ने कहा ठीक है पक्का। बादशाह ने वीडियो के कैप्शन में लिखा मम्मी बहुत चालाक हैं, काफी टाइम से घुटनों में दर्द रहता है, लेकिन ऑपरेशन नहीं कराना है। अब कैमरे पर कह रही हैं कभी भी करा दो। उन्होंने फैंस से आगे कहा, किस–किसको अरबी अच्छी लगती है? अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए लिखा अरबी गैंग डब्लूवाईए। वहीं गायक बी प्राकश ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए हार्ट इमोजी लगाई। बादशाह के म्यूजिक में भारतीय पॉप, हिप–हॉप, रैप और सिंथवेव शामिल हैं।

रैपर और संगीत निर्माता यो यो हनी सिंह के साथ काम करने से पहले, उन्होंने कूल इक्वल मंच के तहत एक अंग्रेजी रैपर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। बादशाह को हम्टी शर्मा की दुल्हनिया, खूबसूरत, बजरंगी भाईजान, सनम रे, कपूर एंड संस, सुल्तान, बार बार देखो, ऐ दिल है मुश्किल, वीरे दी वेडिंग, लवयात्री, खानदानी शफाखाना, दबंग 3, स्ट्रीट डांसर 3डी, जवान, क्रू और इश्क विश्क रिबाउंड जैसी फिल्मों में उनके गानों के लिए जाना जाता है।

खतरों के खिलाड़ी' के बाद दर्द से गुजर रही थीं निमृत कौर, करानी पड़ी थी फिजियोथेरेपी

मुंबई। टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी' में खतरनाक स्टंट करने वाली एक्ट्रेस निमृत कौर ने कहा कि स्टंट के दौरान मसल्स में खिंचाव आने के बाद दर्द से राहत पाने के लिए उन्हें फिजियोथेरेपी करानी पड़ी थी. उन्होंने कहा कि उन्हें अब भी कभी–कभी दर्द होता है।

शो में निमृत कौर को कई चुनौतियों से भरे स्टंट करते हुए देखा गया. रोंगटे खड़े कर देने वाले बिजली के झटकों से लेकर खौफनाक जीवों का सामना करने तक के स्टंट करते हुए देखा गया. अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए निमृत ने कहा, खतरों के खिलाड़ी में भाग लेना मेरे जीवन के सबसे रोमांचक और गहन अनुभवों में से एक रहा है. मैं इन स्टंट को करने में इतनी मशगूल थी, कि सब कुछ भूल जाती थी।

बाद में मुझे एहसास ही नहीं हुआ कि मैं कितनी थक गई थी. एक्ट्रेस ने कहा कि भारत वापस आने के बाद उनको बिस्तर पर अपने मांसपेशियों के खिंचाव का अहसास हुआ था. एक्ट्रेस ने कहा, मुझे मांसपेशियों में खिंचाव और दर्द से राहत पाने के लिए फिजियोथेरेपी करवानी पड़ी. यह दर्द मुझे अभी भी महसूस होता है. लेकिन चुनौतियों के बावजूद मैं इस अनुभव को किसी भी चीज के लिए नहीं बदलूंगी. इसने मुझे हिम्मत और मेंटली मजबूती की अहमियत सिखाई. घनिमृत ने कहा कि वह रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए गए शो में हर पल के लिए आभारी हैं।

उम्मीद करती हैं कि उनका सफर दूसरों को अपने डर का सामना करने के लिए प्रेरित करेगा. इस महीने की शुरुआत में, निमृत कौर ने रोहित शेट्टी के साथ अपने रिश्तों के बारे में बात की थी।

दो दिनी हड़ताल के बाद 102 एंबुलेंसकर्मी काम पर लौटे

स्वास्थ्य डीपीएम से मिल प्रतिनिधिमंडल ने रखी अपनी मांग

रंजीत कुमार

गया (संज्ञान दृष्टि)। पितृपक्ष प्रारंभ होने से ठीक पूर्व हड़ताल पर गये 102 एंबुलेंस कर्मचार काम पर वापस लौट गये हैं। दो दिन तक चले हड़ताल के समाप्त होने से मरीजों को अस्पताल तथा सुदूरवर्ती क्षेत्र से स्वास्थ्य संस्थान आवागमन के लिए एंबुलेंस की सुविधा मिलने लगेगी। इस दिशा में जिला स्वास्थ्य समिति कार्यालय में बिहार राज्य चिकित्सा कर्मचारी संघ की शाखा 102 एंबुलेंस कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने डीपीएम नीलेश कुमार से मुलाकात कर जरूरी मांग रखी। इसके बाद शांतिपूर्ण माहौल में हुए समझौता के बाद हड़ताल समाप्त होने की घोषणा की गयी। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने बकाया वेतन के भुगतान तथा समय पर भुगतान करने की मांग की।

बकाया वेतन के भुगतान पर हुई बात–डीपीएम नीलेश कुमार ने बताया कि दो दिन के बाद हड़ताल पर गये 102 एंबलेंस कर्मी अपने काम पर वापस लौट आये हैं। जिला स्वास्थ्य समिति गया और बिहार राज्य चिकित्सा कर्मचारी संघ की ईकाई 102 एंबुलेंस कर्मचारी संघ के बीच हुए समझौताओं के साथ इस हड़ताल का समाप्त किया गया है। एंबलेंस कर्मियों की ओर से यह समझौता किया गया है कि चार माह का बकाया वेतन का भुगतान के मध्य में दो माह का बकाया वेतन का भुगतान तत्काल प्रभाव से कर दिया गया है। शेष दो माह क बकाया वेतन जिला स्वास्थ्य समिति को भुगतान होने के एक सप्ताह के अंदर कर दिया जायेगा। कार्यकारी अध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अपनी जरूरी मांग के लिए हड़ताल किया गया था। मरीजों को 102 एंबुलेंस सेवा मिल सके, यह पूरी तौर पर सुनिश्चित किया जायेगा। सभी ड्राइवर और इमरजेंसी टेक्निशयन काम पर लौट आये हैं। इस दौरान बिहार राज्य चिकित्सा कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अजग कुमार सहित जितेंद्र कुमार व अन्य मौजूद रहे।

एक नज़र

महोबा– नवांगतुक पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने सम्हाला कार्यभार, 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी है पलाश बंसल, निवर्तमान एसपी अपर्णा गुप्ता का हुआ लखनऊ ट्रांसफर, एएसपी, सीओ, पुलिस स्टाफ ने एसपी अपर्णा गुप्ता को दी विदाई, कई मामलों के खुलासे में एसपी अपर्णा गुप्ता का कार्य सराहनीय।

लखीमपुर– सहकारी समिति चुनाव में सत्ता पक्ष के आगे प्रशासन नतमस्तक, एसडीएम सदर, चुनाव अधिकारी के सामने भाजपा विधायक ने पर्चा छीना, विधायक मंजू त्यागी दूसरे पक्ष के उम्मीदवार का पर्चा छीन ले गई, विधायक चुनाव अधिकारी के सामने पर्चा छीनकर ले गई, भाजपा विधायक मंजू त्यागी के पर्चा छीनने का वीडियो वायरल, फूलबेहड़ सहकारी समिति चुनाव में भाजपा विधायक की दबंगई।

अम्बेडकरनगर– ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित करने का डीएम ने दिया निर्देश, अभिलेखों में मृतक दिखाने पर डीएम ने दिया निर्देश, एडीओ समाज कल्याण के खिलाफ भी निलंबन कार्रवाई की संस्तुति, डीएम से शिकायत कर वृद्धा ने खुद को बताया था जीवित, वृद्धावस्था पेंशन के सत्यापन में दिखा दिया था मृतक, अभिलेख में केवला देवी को मृतक दिखाने से कट गई पेंशन, ग्राम पंचायत सचिव सरिता ने दर्ज किया था मृतक, कटेहरी विकास खण्ड के मीरपुर मंशापुर गांव का मामला।

आरजेएस पीबीएच ऑब्जर्वर दीप माथुर ने मासिक कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की.

संज्ञान दृष्टि टीम

नई दिल्ली (संज्ञान दृष्टि)। राम–जानकी संस्थान पॉजिटिव ब्रॉडकास्टिंग हाउस (आरजेएस पीबीएच) की मासिक समीक्षा बैठक में आरजेसियंस द्वारा एकजुटता का आह्वान किया गया। ये आभासी बैठक 11 अगस्त से 11 सितंबर 2024 तक की कार्यावधि में आरजेसियंस द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा की गई।

कार्यक्रम के सह–आयोजक आरजेएस पीबीएच ऑब्जर्वर और एमसीडी के पूर्व निदेशक दीप माथुर थे। उन्होंने 29 सितंबर को दिल्ली में ''सकारात्मकता की शक्ति'' पर आयोजित सेमिनार में आरजेसियंस को आमंत्रित किया है। आरजेएस पीबीएच संस्थापक उदय कुमार मन्ना ने आरजेएस पीबीएच स्टूडियोज से संचालन करते हुए कहा कि सकारात्मक वर्ष में 11 अगस्त को दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम और 10वें साल में 10 सूत्री मैनिफेस्टो (घोषणा –पत्र) के आरजेसियंस द्वारा स्वीकृत करने से सकारात्मक भारत–उदय वैश्विक आंदोलन में तेजी आई है और एक एक कर सभी इसे पूरा कर रहे हैं।

कार्यक्रम में दधीचि, गांधी, विवेकानंद, विनोबा भावे, महादेवी वर्मा और मुक्तिबोध की स्मृति को नमन् किया गया। श्री मन्ना बिहार की बारहद्

सकारात्मक मानसिकता की शक्ति कार्यक्रम में 29 सितंबर को जुटेंगे आरजेसियंस.

नई पीढ़ी के लिए वर्तमान पीढ़ी के सकारात्मक कार्यों का दस्तावेजीकरण है – आरजेएस पीबीएच ग्रंथ

कार्यक्रम में दधीचि, गांधी, विवेकानंद, विनोबा भावे, महादेवी वर्मा और मुक्तिबोध की स्मृति को नमन्

आरजेएस पीबीएच वेबिनार 50 पार और यूट्यूब 200 व्यूज के लक्ष्य के साथ समीक्षा बैठक संपन्न

दिवसीय यात्रा कर छः सितंबर को दिल्ली लौट आए। इस दरम्यान गांव–गांव और शहर–शहर जाकर तीनों ग्रंथों को ग्रामीण अंचलों के आरजेसियंस को भेंट किए और ग्रंथालयध्पुस्तकालय स्थापित करने का सेमिनार में आह्वान किया गया। वी एन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, अगिआंव, भोजपुर के निदेशक आलोक कुमार सिंह ने अन्य 12 पुस्तकों के साथ ग्रंथालय स्थापित कर लिया है। उन्हें दिल्ली से कुछ और पुस्तकें निरंतर भेजी जाएंगी।

समीक्षा बैठक में चौधरी इंद्राज सिंह सैनी ने आरजेएस पीबीएच वेबसाइट को लोकप्रिय बनाने का संकल्प दुहराया।पॉजिटिव मीडिया मंथली न्यूज लेटर के अतिथि संपादक (मानसेवी)राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने 29 सितंबर को रिलीज होने वाले न्यूज लेटर के लिए आरजेसियंस से जनहित में स्वलिखित कविता –कहानी और लेख

20 सितंबर तक भेजने को कहा। सुरजीत सिंह दीदेवार ने कहा कि आरजेसियंस सकारात्मक कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में जुड़ें और अपने लोगों को जोड़ें भी। नई पीढ़ी के लिए वर्तमान पीढ़ी के सकारात्मक कार्यों का दस्तावेजीकरण है आरजेएस पीबीएच ग्रंथ।इसहाक खान ने आरजेएस पीबीएच द्वारा प्रदत्त युगल जोड़ी सम्मान को सार्थक बताया। दीपक कुशवाहा ने कैरियर काउंसिल और रोजगारपरक वेबिनार करने की घोषणा की।सत्येन्द्र त्यागी और सुमन त्यागी ने पूर्व की भांति आरजेएस पीबीएच के आगामी ग्रंथ 04 में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की।

11 अगस्त के कार्यक्रम में युगल जोड़ी के शोरूम के सभी स्टाफ भी शामिल होकर सहयोग किए थे। उन्होंने कहा कि आने वाले भविष्य में हम और मजबूत होंगे। सभी आरजेएस पीबीएच वेबिनार 50 पार और यूट्यूब 200 व्यूज के लक्ष्य के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हो गई।

धारा–163 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा 08 नवम्बर तक लागू: एडीएम ई

शैलेन्द्र गुप्ता

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि) जनपद में 16 सितम्बर को ईद मिलाद–उल–नवी (बारावफात), 17 सितम्बर को श्री गणेश अनन्त चतुर्दशी एवं विश्वकर्मा पूजा, 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयन्ती, 03 से 11 अक्टूबर तक नवरात्रि दुर्गा पूजा, 12 अक्टूबर को दशहरा विजयादशमी, 17 अक्टूबर को बाल्मीकि जयन्ती, 30 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी, 31 अक्टूबर को दीपावली, 02 नवम्बर को गोवर्धन पूजा, 03 नवम्बर को भैया दूजध चित्रगुप्त जयन्ती, 07 नवम्बर को छठ पूजा, का त्यौहारध्पर्व मनाया जाना है एवं 27 अक्टूबर 2024 को पी०सी०एस० (प्रा०) परीक्षा, होना प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त संचारी रोगों के प्रभावी रूप से रोकथाम के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय–समय पर जारी दिशा निर्देश का क्रियान्वयन किया जाना है। उक्त परिस्थितियों के दृष्टिगत वर्तमान में समयाभाव के कारण पक्षों को सुनने के उपरान्त आदेश पारित किया जाना सम्भव नहीं है।

अपर जिलाधिकारी सिद्धार्थ ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा–163 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एकपक्षीय रूप से 11 सितम्बर से 08 नवम्बर 2024 तक निषेधाज्ञा जारी किया है।

गोरखपुर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया

राजेश कुमार श्रीवास्तव

गोरखपुर (संज्ञान दृष्टि)। गोरखपुर के विकासखंड खोराबार मे आयोजित रोजगार मेले में भाग लेने वाले प्रतिभागि गण।

नाम है युवा कल्याण लेकिन नहीं हो रहा युवाओं का कल्याण

मुकेश शर्मा

महराजगंज रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। वर्षों पहले क्षेत्र के युवाओं का खेलों के प्रति रुझान बढे और खेलों में रुचि ले इसके लिए शासन द्वारा लाखों की लागत सूरदास कूटी सलेथू

महराजगंज बछरावां रोड पर एक मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य बसपा शासनकाल में खेल मंत्री आर के चौध ारी द्वारा किया गया था। वही आज या स्टेडियम बदहाली की कगार पर है बड़ी–बड़ी घास यहां तक की पानी पीने के लिएभी कोई व्यवस्था नहीं और जो पंखे लगे हुए हैं वह भी खराब पड़े हुए हैं। ग्रामीणों से जब इसके बारे में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम पर कोई खेल कार्यक्रम कभी नहीं होता कभी–कभी पुलिस के जवान आकर यहां पर परेड करते हैं। बाकी युवा कल्याण विभाग की उदासीनता के कारण या स्टेडियम बदहाल होता चला जा रहा है ।और केवल सफेद हाथी ही साबित हो रहा है खेलों के प्रति रुचि लेने वाले युवाओं के लिए स्टेडियम में कुछ भी नहीं है क्योंकि देखरेख के अभाव में स्टेडियम की हालत बत से बत्तर होती चली जा रही है।

अब सोचने वाली बात है कि सरकार लाखों रुपए खर्च कर देती है लेकिन विभागों के उदासीनता के कारण यह लाखों रुपए पानी की तरह बह जाते हैं और किसी को कुछ नहीं मिलता। एक तरफ जहां जर्मनी ऑस्ट्रेलिया अमेरिका पदकों का शतक लगते है तो वहां हमारे देश हिंदुस्तान में दहाई का आंकड़ा भी हमारे खिलाड़ी नहीं पार कर पाते इसका मुख्य कारण होता है कि एक तरफ गांव में युवा कल्याण विभाग की तरफ से खेलों को बढ़ावा देने के लिए पैसा भी खर्च किया जाता है लेकिन शायद कोई गांव हो जहां पर कभी युवा ने कोई खेल खेल हो या फिर खेल की कोई सामग्री किसी युवा को मिली हो।

मंडल द्वारा विद्युत सब स्टेशन हेतु जमीन की मांग की गई

मुकेश शर्मा

रायबरेली (संज्ञान दृष्टि)। आज दिनांक 12 सितंबर उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष अतुल कुमार गुप्ता अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी महोदय से मिलकर बताया कि रायबरेली में काफी समय से विद्युत ट्रिपिंग, लो वोल्टेज की समस्या की शिकायत बिजली विभाग से की गई।

जिस पर बिजली विभाग द्वारा डिग्री कॉलेज चौराहे पर एक 33ध्11के वी का सब स्टेशन बनाए जाने का प्रस्ताव बनाया विभाग द्वारा जिस पर साढे 5 करोड रुपए खर्च किए जाएंगे, जिसके लिए 2250 स्क्वायर फीट जमीन जो आयुर्वेदिक जिला अस्पताल के निकट फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज के नाम पट्टा की गई जमीन में से देने के लिए कहा क्योंकि फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज की जमीन का पट्टा भी समाप्त हो चुका है और आज तक उसका कोई भी इस्तेमाल कॉलेज के हित में नहीं किया गया, 33/11के वी का सब स्टेशन बन जाने से डिग्री कॉलेज रोड कलक्टरेट जिला अस्पताल जिला कारागार एवं मुख्य बाजार की

बिजली की ट्रिपिंग, लो वोल्टेज की समस्या दूर हो जाएगी,जमीन मिलते ही सब स्टेशन बनाए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी जिला अधिकारी महोदय ने आश्वासन दिया कि जल्द इस पर कार्य किया जाएगा ज्ञापन देने वालों में प्रदेश युवा मंत्री सोनू वर्मा, जिला संरक्षक महेंद्र अग्रवाल, जिला कोषाध्यक्ष चंद्र प्रकाश गुप्ता, नगर अध्यक्ष केके गुप्ता, जिला युवा अध्यक्ष पंकज प्रजापति, नगर युवा अध्यक्ष दिलदार राइनी, मोहम्मद शकील, वी के रावत, शिखर श्रीवास्तव, विक्की सिंह आदि उपस्थित रहे!

बीएमएसपी के सदस्यों के द्वारा शपथ ली गई की समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ उठाएंगे आवाज हर शोषित पीड़ित को दिलाएंगे न्याय

प्रांजल श्रीवास्तव

लखीमपुर खीरी (संज्ञान दृष्टि) नए व सदस्यता ले चुके सभी सदस्यों ने शपथ ली की समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ सभी सदस्य एकजुट रहेंगे।

स्टार प्रचारक सरवन कुमार ने अपर निदेशक घनश्याम जी और बीएमसीपी के मंडल मीडिया प्रभारी प्रांजल श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में सभी को भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ दिलाई गई

मौजूद रहे।

जिला मीडिया प्रभारी–धर्मेश शुक्ला, स्टार प्रचारक सरवन कुमार, नए प्रचारक आशीष यादव जी, राजेश कुमार, दीपक कुमार, नीरज कुमार, गोविंद कुमार, राजेश राजपूत जी, राकेश गिरी जी, सोनू राजपूत, आदि सभी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सदस्यता ली।

वडद शेतशिवारातुन दोन लाखाचा गांजा जप्त

''महागाव पोलीसांची धडक कारवाई, एका आरोपीला दहा किलो गांजासह अटक''

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ फुलसांगवी परिसरात आठ सप्टेंबर रोजी काही युवक गांजाचे, अंमली पदार्थाचे सेवन करतांना आढळल्याने महागाव पोलिसांनी तीन युवकावर कार्यवाही केली.नुकतेच परिसरात गाजा पकडण्याचे पोलिसांपुढे आव्हान मथळ्या विषयी दैनिक सज्ञान दृष्टी बातमी प्रकाशित केली होती, बातमीची दखल घेत नुकतीच महागाव पोलिसांनी दोन लाखाचा गांजा पकडण्याची कार्यवाही केली.

चार दिवसाआधी फुलसांगवी परिसरात पुनेश्वर मंदिराच्या प्रांगणामध्ये तीन युवकांना गांजा, अंमली पदार्थ सेवन करतांना महागाव पोलिसांनी रंगेहाथ पकडण्याची कार्यवाही केली. यावेळी नवभारतने अमली पदार्थ, गांजा या ठिकाणी येतो कुठून. याबाबत गांजा पकडण्याचे महागाव पोलिसांसमोर समोर आव्हान अशा आशयाची बातमी प्रकाशित करण्यात आली.बातमीची दखल घेत महागाव पोलिसांनी नुकतीच दोन दिवसां आधी 9 सप्टेंबर 2024 रोजी **महागाव पोलीसांना गोपनीय माहितीनुसार गांजा विक्री होत असलेल्याचा सुगावा लागल्याने–** वडद शेत शिवारातील इसम नामे, ताब्यात घेवुन घटनास्थळ पचंनामा विठ्ल मारोती साबळे वय 45 वर्ष, रा. करुन आरोपीला अटक करण्यात

वडद ता. महागाव जि. यवतमाळ यानी त्याचे शेतातील कोठयात दहा किलो गांजा साठवून ठेवला असल्याची माहिती मिळताच वडद शेतशिवारातील विठ्ल मारोती साबळे यांचे शेतात जावून पाहणी केली. आणि पंचासमक्ष त्याचे शेतातील कोठयाची झाडा झडती घेतली असता त्याचे शेतातील कोटयात दोन नायलोन थैलीमध्ये अं. 10 किलो गांजा (आम्ली पदार्थे) किमत अंदाजे 2 लाख रुपयांचा मुद्देमाल मिळुन आला. सदर गांजा पंचासमक्ष सिलबंद करुन वजन काट्यावर वजन करुन सदरचा गांजा आली. तसेच गुन्हा नोंद करण्यात आला. सदरची कार्यवाही पोलीस अधिक्षक यवतमाळ कुमार चिंता, अपर पोलीस अधिक्षक यवतमाळ यांचे आदेशान्वये पियुष जगताप, उपविभागीय पोलीस अधिकारी उमरखेड हनुमंतराव गायकवाड, यांच्या मार्गदर्शनात मार्गदर्शनात पोलीस निरीक्षक धनराज निळे, सपोनि. मिलींद सरकटे, पोउपनि. सागर अन्नमवार, पोहेकॉ. सुहास कायटे, आतिष जारंडे, वसीम शेख, संतोष जाधव, गजानन जाधव, प्रविन इंगोले, अमोल भगत, ज्योती मुंडे यांनी पार पाडली आहे.

महागावात डॉक्टरवर हल्ला करून सोन्याची चेन हिसकावली

सराईत आरोपीला पकडण्यासाठी एलसीबी सक्रीय

सय्यद मुदस्सीर

यवतमाळ (संज्ञान दृष्टी)। यवतमाळ महागांव चोरीचे गंभीर गुन्हे शिरावर असलेल्या सराईत गुन्हेगाराने महागावात डॉक्टरवर हमला करून सोन्याची चेन हिसकावली. या घटनेने शहरात दहशतीचे वातावरण आहे. चेन स्नॅचिंग करून फरार झालेल्या आरोपीच्या मुसक्या आवळण्यासाठी यवतमाळ शाखेचे पथक महागावात डेरेदाखल झाले आहे. निलेश विलास पानपट्टे (२४) असे सराईत आरोपीचे नाव असून घटनेनंतर तो फरार झाला आहे. डॉ. शंतनू गजानन वाघमारे हे महागाव शहरात वैद्यकीय व्यवसाय करतात. बसस्थानक परिसरात त्यांचे मातृछाया क्लिनिक नामक रुग्णालय आहे. डॉ.शंतनू वाघमारे हे काल बुध वारी रात्री ९ वाजता दवाखान्यातून आपली कार घेवून घराकडे येत होते. दरम्यान सराफा लेन मध्ये आरोपी निलेश पानपट्टे हा आपल्या सहकऱ्यांसह हजर होता. त्याने रस्त्यावर आपली मोटरसायकल अडवी लावून रहदारी अडविली. यावेळी डॉ. शंतनू वाघमारे त्या ठिकाणी पोहचले. हॉर्न वाजवून त्यांनी रस्त्यावरील मोटरसायकल बाजुला घेण्याची विनंती केली, परंतू मद्यधुंद असलेल्या निलेश पानपट्टे याने मोटरसायकल बाजूला घेतली नाही, उलट डॉक्टरां सोबत हमरीतुमरी करीत डॉ.शंतनू वाघमारे यांच्यावर हल्ला चढविला.अरोपीने डॉ. वाघमारे यांच्या चेहऱ्यावर फायटरने मारहाण केली व झटापटीत त्यांच्या गळ्यातील ५ तोळे वजनाची सोन्याची चेन हिसकावून पळ काढला. या अकस्मिक हल्ल्यात जखमी झालेल्या डॉक्टरने लगेच या घटनेची फिर्याद पोलीस ठाण्यात नोंदविली. आरोपी निलेश पानपट्टे याची गुन्हेगारी पार्श्वभुमी असून त्याच्या विरोधात यापुर्वीही चोरी व हाणामारीचे गुन्हे पोलीस दफ्तरी दाखल आहेत. पोलीसांनी आरोपी विरोधात रात्रीच भा. न्या.सं. कलम ३०६ (६), १२६ (२), नुसार गुन्हे दाखल केले आहेत. घटने नंतर आरोपी फरार झाला असून त्याच्या मुस्क्या आवळण्यासाठी यवतमाळ स्थानिक गुन्हे शाखेचे पथक महागाव शहरात दाखल झाले आहे. ठाणेदार ध नराज निळे यांच्या मार्गदर्शनात तपास अधिकारी पोलीस उपनिरीक्षक सागर अन्नमवार हे अधिक तपास करीत आहेत. डॉ.शंतनू वाघमारे यांची घरामागे उभी केलेली आय ट्वेंटी कार ८ एप्रिल रोजी काही अज्ञात आरोपींनी पेट्रोल टाकून पेटवली होती.

या घटनेतही निलेश पानपट्टे व त्याच्या सहकाऱ्याचा सहभाग आहे काय याचा तपासही पोलीस करीत आहेत.

यदि आप संज्ञान दृष्टि पर कोई विज्ञापन देना चाहते है या किसी अन्य प्रकार के व्यावसायिक अनुबंध के इच्छुक है तो हमे
sangyandristinewspaper@gmail.com
पर ईमेल कर सकते हैं।
व्हाटसएप नम्बर
+91–7080049049

व्हाट्सएप पर सम्पर्क के लिए
70800–49049
95824–49049
Website :
www.sangyannews.com
sangyandrsitinewspaper@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक प्रांजल श्रीवास्तव द्वारा मंजुला आफसेट, काशीनगर, लखीमपुर–खीरी से मुद्रित तथा 132/2 काशीनगर चोपड़ा इंडस्ट्री लखीमपुर–खीरी, उ0प्र0 से प्रकाशित

सम्पादक– प्रांजल श्रीवास्तव

(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)